सशस्त्र सेना झण्डा दिवस

7 दिसम्बर, 2017

भारतीय सशस्त्र सेनाओं को उसकी सेवा, शौर्य और शहादत के लिए नमन

राष्ट्रपति
भारत गणतंत्र

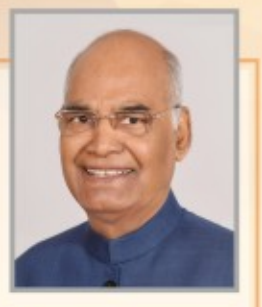

संदेश

मैं सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 2017 के अवसर पर सशस्त्र सेनाओं और उनके परिवार के सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं और आभार व्यक्त करता हूं।

हमारी सशस्त्र सेनाएं बाहरी खतरों तथा उग्रवाद और आतंकवाद जैसे आंतरिक खतरों से देश की रक्षा करती हैं और प्राकृतिक आपदाओं के विरूद्ध प्रशासन की मदद करती है। उन्होंने कार्यकौशल और समर्पण के अतुलनीय मानदण्ड स्थापित किए हैं। उनमें से अनेक ने हमें बचाने के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। राष्ट्र उनके साहस और पराक्रम के लिए सशस्त्र सैन्य कर्मियों के प्रति आभारी है।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस, सशस्त्र सेना कर्मियों और उनके परिवारों के साथ जुड़ने और सैनिकों की विधवाओं, शहीदों के बच्चों और उन पूर्व सैन्य कर्मियों, जिनमें वे शामिल हैं जिन्होंने दिव्यांग की सेवा की, के कल्याण और पुनर्वास में मदद करने का एक अवसर है। इसलिए, हमें सशस्त्र सेना झण्डा दिवस कोष में खुलकर योगदान देना चाहिए।

(राम नाथ कोविन्द)

राज्यपाल
उत्तर प्रदेश

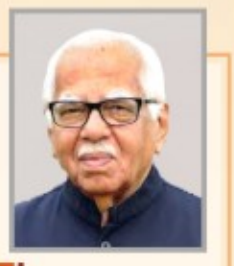

संदेश

मुझे यह जानकर अतीव प्रसन्नता हुई कि सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 7 दिसम्बर, 2017 के अवसर पर निदेशालय सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, उत्तर प्रदेश द्वारा एक स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

हमारी सशस्त्र सेनाओं ने देश के गौरवशाली इतिहास में मातृभूमि को सदैव गौरवान्वित किया है। झण्डा दिवस समस्त देशवासियों को ऐसा स्वर्णिम अवसर प्रदान करता है, जब वह पूर्व सैनिकों एवं युद्ध विधवाओं के कल्याण हेतु उदारतापूर्वक आर्थिक सहयोग देकर सशस्त्र सेनाओं के त्याग और बलिदान की उत्कृष्ट परम्परा के सहभागी बनने के गौरव का अनुभव कर सकते हैं।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि समस्त प्रदेशवासी इस सराहनीय कार्य के लिये आगे बढ़कर अपना सहयोग प्रदान करेंगे। मैं इस पुनीत अवसर पर देश की सशस्त्र सेना के सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों के प्रति आदर प्रकट करते हुये इस दिवस के आयोजन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

(राम नाईक)

मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

संदेश

हर्ष का विषय है कि सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास निदेशालय, लखनऊ द्वारा दिनांक 7 दिसम्बर 2017 को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर एक स्मारिका भी प्रकाशित की जाएगी।

देश की सीमाओं की रक्षा के लिए हमारी सशस्त्र सेनाएं सतत प्रयत्नशील है। सशस्त्र झण्डा दिवस जांबाज सैनिकों व उनके परिजनों के प्रति प्रत्येक नागरिक की एकजुटता प्रदर्शित करने का दिन है। हर नागरिक का कर्तव्य है कि वे सैनिकों के सम्मान व उनके कल्याण में अपना योगदान दें।

सशस्त्र सेनाओं का युद्ध एवं शान्ति दोनों ही स्थितियों में अभूतपूर्व रूप से देश सेवा करने का गौरवशाली इतिहास रहा है। देश की रक्षा तथा प्राकृतिक आपदाओं में प्रशासन की सहायता के लिए हमारे वीर सपूत आवश्यकता पड़ने पर प्राणों को न्यौछावर करने में सदैव तत्पर रहते है।

अत्यंत गौरव की बात है कि प्रदेश के चार रणबांकुरों को युद्ध के दौरान उनकी बहादुरी के लिए देश के सर्वोच्च सम्मान 'परमवीर चक्र' से अलंकृत किया गया है। शान्ति काल के दौरान भी वीरता प्रदर्शन के लिए राज्य के चार योद्धाओं को सर्वोच्च पदक 'अशोक चक्र' से सम्मानित किया गया है। उल्लेखनीय है कि सशस्त्र सेनाओं में सर्वाधिक सैनिक प्रदेश के निवासी होने के साथ ही यहां पर पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों की संख्या भी सबसे ज्यादा है। प्रदेश सरकार पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह संवेदशील है।

इस गौरवशाली अवसर पर समस्त सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को हार्दिक बधाई देते हुए मेरी सभी प्रदेशवासियों से अपील है कि सैनिकों के प्रति आदर, सम्मान एवं अपनत्व प्रदर्शित करते हुए सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर देश के वीर सपूतों व उनके परिजनों हेतु कल्याणकारी योजनाओं में उदारतापूर्वक सहयोग करें।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस की सफलता हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

(योगी आदित्यनाथ)

संदेश

हर्ष का विषय है कि सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास विभाग द्वारा दिनांक 7 दिसम्बर 2017 को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस मनाया जा रहा है। इस पुनीत अवसर पर मेरी सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों, युद्ध विधवाओं एवं उनके परिजनों को हार्दिक बधाई।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर मैं प्रदेशवासियों को पूर्व सैनिकों एवं शहीदों के परिवारों की याद दिलाना चाहता हूँ, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर प्रदेश तथा देश को गौरवान्वित किया है। हमारी सरकार पूर्व सैनिकों, विधवाओं और उनके आश्रितों के लिए कल्याणकारी योजनाओं में उत्तरोत्तर वृद्धि हेतु कटिबद्ध है। साथ ही साथ झण्डा दिवस कोष में एकत्रित हुई धनराशि में सरकार की ओर से तीन गुना धनराशि देने का भी प्राविधान किया है।

मैं प्रदेशवासियों से अनुरोध करता हूँ कि हम सभी विशेष उत्साह एवं प्रेरणा से सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर अपने सैनिकों के प्रति आदर और सम्मान प्रदर्शित करते हुए अधिक से अधिक सहयोग दें ताकि संग्रहित धनराशि से इनके परिवारों के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलायी जा सके।

मैं सशस्त्र सेना झण्डा दिवस की सफलता के लिए मंगल कामना करता हूँ।

(अनिल राजभर)
राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), सैनिक कल्याण, खाद्य प्रसंस्करण, होमगार्ड्स, प्रान्तीय रक्षक दल एवं नागरिक सुरक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता है कि उत्तर प्रदेश सैनिक कल्याण विभाग द्वारा 'सशस्त्र सेना झण्डा दिवस' दिनांक 07 दिसम्बर, 2017 को पूरी लगन और निष्ठा से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर मैं उन अमर शहीद सैनिकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर किये तथा वीरता का उत्कृष्ट मानदण्ड स्थापित कर प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है।

पूर्व सैनिकों, वीर योद्धाओं की विधवाओं एवं उनके आश्रितों के लिए राज्य सरकार की ओर से कल्याण एवं पुनर्वास की कई योजनायें संचालित है और उनमें लगातार वृद्धि भी की जा रही है। इनकी समस्याओं का निराकरण जिलाधिकारियों द्वारा मासिक 'सैनिक बन्धु बैठक' के माध्यम से त्वरित गति से किया जाता है।

भारत के जांबाज वीर सपूत अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निवर्हन जिन विपरीत व विषम परिस्थितियों में करते हैं, वह निश्चय ही सराहनीय है। 'सशस्त्र सेना झण्डा दिवस' पर मेरा प्रदेशवासियों से अनुरोध है कि वे झण्डा दिवस निधि में उदारतापूर्वक अपना योगदान दें, जिससे इस धनराशि का उपयोग पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याणार्थ किया जा सके।

मै इस दिवस के आयोजन की पूर्ण सफलता की कामना करता हूँ।

(राजीव कुमार)
मुख्य सचिव

संदेश

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 07 दिसम्बर 2017 को उत्तर प्रदेश सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास निदेशालय द्वारा मनाया जा रहा है। इस शुभ अवसर पर मैं देश वासियों का ध्यान उन शहीद परिवारों के प्रति आकृष्ट करना चाहूंगा जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर किये और अलंकरण प्राप्त कर देश का नाम रोशन एवं गौरान्वित किया।

भारत की सशस्त्र सेना हमेशा अपनी कार्य–कुशलता का परचम लहराती है। हमारी सेना ने विषम परिस्थितियों और कठिन बर्फीले रेगिस्तान आदि इलाकों में अपना कर्तव्य निभाते हुए सदैव देश का नाम रोशन किया है। मैं यह आश्वासन देता हूँ कि हम सदैव अपने कार्य पूर्ण करने के लिए हर तरह से परिपूर्ण हैं।

मैं सशस्त्र सेना झण्डा दिवस की सफलता की कामना करता हूँ।

(लेफ्टिनेंट जनरल बी0एस0 नेगी)
जनरल आफिसर कमान्डिंग–इन–चीफ

संदेश

मैं सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 07 दिसम्बर 2017 के अवसर पर सभी सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों तथा शहीद सैनिकों की वीर नारियों और उनके आश्रितों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

हमारी सशस्त्र सेनाएँ देश की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर और त्वरित कार्यवाही हेतु सदैव तैयार रहती हैं। कई दुर्गम कार्य के दौरान हमारे शूर वीरों ने देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की भी आहुति दी है। हम उनके नि:स्वार्थ बलिदान और बहादुरी की प्रशंसा एवं नमन करते हैं और हम उनसे प्रेरणा लेते हैं।

हमारी सशस्त्र सेनाओं ने युद्ध एवं शांति के समय हमेशा ही महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हाल में हुए प्राकृतिक आपदाओं में सशस्त्र सेनाओं ने नि:स्वार्थ भाव से सेवा प्रदान की और कई लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाई है तथा कई लोगों की जान बचाई है। इसके लिए सभी देशवासी हमारी सशस्त्र सेनाओं की प्रशंसा कर रहे हैं और यह हमारे लिये गर्व की बात है।

मैं सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर सभी देशवासियों से अनुरोध करता हूँ कि पूरे उत्साह के साथ पूर्व सैनिकों तथा शहीद सैनिकों की वीर नारियों के प्रति आदर एवं आभार प्रदर्शित करते हुए अधिक से अधिक योगदान दें ताकि शहीद सैनिकों की वीर नारियों और आश्रितों के लिए जरूरी कल्याणकारी योजनाएँ चला सकें।

मैं सशस्त्र सेना झण्डा दिवस की सफलता की कामना करता हूँ।

(श बि प्र सिन्हा)
एयर मार्शल
वायु ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ

संदेश

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस दिनांक 07 दिसम्बर, 2017 के अवसर पर सभी सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों, शहीद सैनिकों की वीर नारियों और उनके आश्रितों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

झण्डा दिवस के पुनीत अवसर पर मै प्रदेशवासियों का ध्यान प्रदेश के वीर सैनिकों द्वारा मातृभूमि की रक्षा के लिए किये गये सर्वोच्च बलिदान की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। हमारी सशस्त्र सेनाओं ने युद्ध और शान्तिकाल में अपनी वीरता, संयम एवं अपार कार्यकुशलता का परिचय देते हुए इतिहास में स्वयं तथा मातृभूमि को सदैव गौरवान्वित किया है।

सैनिक कल्याण विभाग पूर्व सैनिकों/विधवाओं की कल्याणकारी योजनाओं का निरन्तर परीक्षण कर अनुदान में वृद्धि करने के लिए कटिबद्ध है। सरकार ने झण्डा दिवस कोष में एकत्रित हुई धनराशि में सरकार की ओर से तीन गुना धनराशि देने का भी प्राविधान किया है, जिससे कल्याणकारी योजनाओं के अनुदान में अधिक वृद्धि की जा सकेगी। साथ ही साथ पूर्व सैनिकों को तीन लाख तक के ऋण की ब्याज दरों में चार प्रतिशत की छूट सरकार प्रदान करेगी।

पूर्व सैनिकों/विधवाओं के लिए कल्याणकारी योजनाओं का संचालन निदेशालय सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास के माध्यम से सुनियोजित ढंग से सम्पादित किया जा रहा है, जिसके लिए निदेशक और समस्त स्टाफ को मैं बधाई देता हूँ।

मै सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के कार्यक्रम की सफलता की कामना करता हूँ।

(मनोज सिंह)
प्रमुख सचिव

संदेश

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस 07 दिसम्बर 2017 को उत्तर प्रदेश सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास निदेशालय द्वारा मनाया जा रहा है। इस शुभ अवसर पर मैं अपने प्रदेश के निवासियों का ध्यान उन शहीद परिवारों के प्रति आकृष्ट कराना चाहूँगा जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिये और अलंकरण प्राप्त कर उत्तर प्रदेश राज्य का नाम गौरवान्वित किया।

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में पूर्व सैनिकों के कल्याण के कार्यों को त्वरित गति से चलाने के लिये वर्ष–2017 में शामली, हापुड़ एवं सम्भल में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय स्थापित किये गये। वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल 996 विभिन्न वीरता / विशिष्ट पदक विजेताओं को रू0 80.31 लाख तथा द्वितीय विश्व युद्ध के वयोवृद्ध सैनिकों एवं विधवाओं को रू0 20.86 करोड़ अनुदान दिया गया। पूर्व सैनिकों के आश्रित कुल 2554 पात्रों को प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति/रक्षामंत्री विवेकाधीन कोष के माध्यम से छात्रवृत्ति दी गयी।

पेंशन से सम्बन्धित समस्याओं का निदान रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (पेंशन) द्वारा बरेली, फतेहगढ़ एवं रूड़की में पेंशन अदालत में किया गया। प्रदेश के 7 से 8 जनपदों में पूर्व सैनिक समारोह आयोजित कर वीर नारियों, सैनिक विधवाओं एवं वृद्ध पूर्व सैनिकों का सम्मान किया जाएगा। साथ ही अतिरिक्त जनपदों में ई0सी0एच0एस0 स्थापित किये जाने के लिए प्रस्ताव मध्य कमान को प्रेषित किया गया है जिससे पूर्व सैनिकों को चिकित्सा सुविधाओं का लाभ प्राप्त हो सके।

मैं अपने समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ पूरे लगन और जोश के साथ इस पावन दिवस को सफल बनाने हेतु प्रयासरत हूँ।

(ब्रिगेडियर अमूल्य मोहन)
निदेशक, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास
उत्तर प्रदेश

28x45=1260 sqcm.

Chanakya Advertisers